अध्याय 2. उसने कहा था

लेखक परिचय

* लेखक- चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
* जन्म- 7 जुलाई, 1883
-* निधन- 12 सितंबर, 1922
* जन्म स्थान- जयपुर, राजस्थान
* मूल निवास- गुलेर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश
* पिता- पंडित शिवराम

शिक्षा-

(i) बचपन में सत्कृत की शिक्षा प्राप्त किए।
(ii) 1899 में इलाहाबाद तथा कोलकाता विश्वविद्यालयों से एंट्रेंस तथा मैट्रिक की परीक्षा पास किये।
(iii) 1903 में इलाहाबाद विश्वविद्यालय से B.A. किये|

वृत्ति -

(1) 1904 में जयपुर दरबार की ओर से खेतड़ी के नाबालिग राजा जपसिंह के अभिभावक बनकर मेयो कॉलेज, अजमेर आ गए।
(ii) जयपुर भवन छात्रावास के अधीक्षक भी थे
(iii) 1916 में संस्कृत विभाग के अध्यक्ष
(iv) अंतिम दिनों में मदनमोहन के निमंत्रण से हिन्दू विश्वविद्यालय बनारस में प्राचार्य तथा मनींद्र चेन्द्र नंदी पीठ के प्रोफेसर रहे।

* संपादन पत्रिका- समालोचक, काशी नागरी प्रचारिणी पत्रिका

रचनाएँ - सुखमय जीवन(1911), बुद्ध का काँटा (1911), उसने कहा था 1915 ।

* निबंध लिखे- कछुआ धरम, पुरानी हिन्दी, भारतवर्ष।
* अंग्रेजी में- ए पोएम बाय भास, ए कमेंटरी ऑन कामसूत्र।

महत्वपूर्ण जानकारी

(1) गुलेरी जी अपने जीवन काल में केवल तीन कहानी लिखे हैं।
(2) गुलेरी जी 20वीं शताब्दी के एक प्रमुख गद्य साहित्य के लेखक थे।
(3) गुलेरी जी अपने समय में हिन्दी, संस्कृत और अंग्रेजी के प्रकांड विद्वान थे।
(4) उनको प्राकृत, अपभ्रंश भाषा पर भी गहरी पकड़ थी।
(5) 'उसने कहा था' कहानी उनकी अमर रचना है। यह हिन्दी कहानी के विकास में 'मील का पत्थर' मानी जाती है।
(6) प्रसिद्ध फिल्मकार विमल राय ने 'उसने कहा था' कहानी के ऊपर फिल्म बनाएँ थे।
(7) 'उसने कहा था' कहानी 'अमृतसर के भीड़ भरे बाजार से शुरू होती है।
(8) इस कहानी में प्रथम विश्व युद्ध की चर्चा है।
(9) गुलेरी जी ने प्राच्य विद्या, इतिहास, पुरातत्व, भाषाविज्ञान, समसामयिक विषय इन सभी पर निबंध लेखन किये थे।
(10) 'उसने कहा था' कहनी एक दिव्य प्रेम कहानी, युद्ध की कहानी, तथा प्रेम पर बलिदान की कहानी है।
(11) 'उसने कहा था' कहानी का नायक लहना सिंह है और सुबेदारनी है।
(12) लहना सिंह और सूबेदारनी दोनों सिख धर्म के थे।
(13) लहना सिंह का घर 'माझे' में था।
(14) सूबेदारनी का घर 'मगरे' में था। लेकिन 'अतरसिंह की बैठक में रहती थी।
(15) लहना सिह पहली बार सूबेदारनी से अमृतसर के भीड़ भरे बाजार में दुकान पर मिले थे। उस समय लहना सिंह 12 वर्ष के थे और सूबेदारनी 8 वर्ष की थी।
(16) कीरत सिंह लहना सिंह का भतीजा था।
(17) सूबेदारनी के पति सूबेदार हजारा सिंह, था।
(18) बोधा सिंह हजारा सिंह का बेटा था।
(19) वजीरा सिंह पलटन का विदूषकः था।
(20) 'उसने कहा था' कहानी के पाँच भाग है जिसमें से तीन भागों में युद्ध का वर्णन है। कहानी के द्वितीयक, तृतीय और चतुर्थ भाग में युद्ध का दृश्य है।

सारांश

'उसने कहा था' कहानी के कहानीकार चन्द्रधर शर्मा गुलेरी हैं। कहानी की शुरुआत अमृतसर के भीड़ भरे बाजार से होती है। जहाँ बारह वर्ष का एक लड़का (लहनासिंह) आठ वर्ष की एक लड़की (सुबेदारनी) को तांगे के निचे आने से बचाता है।
वे दोनों पहली बार एक चौक के पास दुकान पर मिलता है। पहली बार लड़का लड़की को यह कहकर छेड़ता है क्या तेरी कुड़माई हो गई है? लड़की घत् कहकर भाग जाती है। प्रेम के बीज का अंकुरण यहीं

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

से शुरू होता है। प्रत्येक दूसरे तीसरे दिन पर लड़का, लड़की से पूछता क्या तेरी कुड़माई हो गई है। एक दिन लड़की गुस्से में आकर कह दी हाँ मेरी मंगनी हो गई है। पच्चीस वर्ष बाद जब भारतीय सैनिक जर्मनी से युद्ध कर रहे थे तब लहनासिंह की मुलाकात हजारा सिंह से हुआ था। एक बार लहना सिंह को सुबेदार हजारा सिंह के साथ युद्ध पर जाना था। इसलिए लहनासिंह हजारा सिंह के घर पर गये तब उन्होने वहाँ सूबेदारनी को देखा जिससे वह निःस्वार्थ प्रेम किया करते थे। तब उन्हें बचपन की याद आई। सुबेदारनी ने भी लहना सिंह को पहचान ली। और बोली युद्ध पर जा रहे हो तो मेरे पति सूबेदार हजारा सिंह और बेटा बोधा सिंह की युद्ध में रक्षा करना। लहनासिंह युद्ध में बोधा सिंह की जान बचाई और स्वंय शहीद हो गए, मरने से पहले उसने हजारा सिंह से कहा कि सूबेदारनी को कहना जो 'उसने कहा था' वो मैनें कर दिया।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्नः-

1.'उसने कहा था' कहानी का केंद्रीय भाव क्या है।

उत्तर- 'उसने कहा था' कहानी चन्द्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा रचित है। यह एक दिव्य प्रेम कहनी है जो अमृतसर शहर से शुरू होती है। ऐसी कहानी कहीं देखने को नहीं मिलती है। आज के समाज की प्रेम कहानी शारीरिक बंधन में बंधी होती है। जबकि प्रेम का अर्थ त्याग और बलिदान से है। यह एक सात्विक प्रेम कहानी है जहाँ लहनासिंह अपनी प्रमिका के लिए कुर्बान हो जाते हैं।

2. लहना सिंह का दायित्व बोध और उसकी बुद्धि दोनों हीं स्पृहणीय है । इस कथन की पुष्टि करें। 2025

उत्तर- लहना सिंह एक वीर सिपाही था। वह हर समय युद्ध के लिए तैयार रहता था। वह बहुत बुद्धिमान भी था। वह अपनी बुद्धि से नकली जर्मन लपटन साहब को भी पहचान लेता है और मार गिराता है। लहना सिंह दया तथा करूणा का सागर था। वह उत्तनी ठंड में भी अपना कम्बल बीमार बोधा सिंह को दे देता है और उसकी जान बचाता है। सूबेदारनी ने उसे जो

दायित्व दी लहना सिंह उसे पूरा किया। अतः लहना सिंह का दायित्व बोध और उसकी बुद्धि दोनों हीं स्पृहणीय है।

3. पाठ से लहना और सूबेदारनी के संवादी को एकत्र करें।

उत्तर-

लहना सिंह- तेरे घर कहाँ है ?
सूबेदारनी- 'मगरे में, और तेरे,
लहना सिंह- 'मौझे में। कहाँ रहती है ?'
सूबेदारनी - अतरसिंह की बैठक में, वे मेरे मामा है।
लहना सिंह- "मैं भी मामा के यहाँ आया हूं. उनका घर गुरू बजार में है।'
लहना सिंह- 'तेरी कुड़माई हो गई। धत्!
सुबेदारनी से- एक दिन फिर पूछा उत्तर आया हाँ हो गई।
लहना सिंह- 'कब हुई?
सुबेदारनी- 'कल, देखते नहीं यह रेशम कढ़ा सालू।'

सप्रसंग व्याख्यात्मक प्रश्नः

1.मृत्यु के कुछ समय पहले स्मृति साफ हो जाती है।

ANSWER - प्रस्तुत पंक्ति चन्द्रधर शर्मा गुलेरी रचित" उसने कहा था कहानी के पाँचवे खंड से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से कहानीकार का कहना है मरने से कुछ समय पहले सिनेमा के रील की तरह जीवन की सारी घटनाएँ एवं दृश्य नाचती है। अर्थात् स्मृति बिल्कुल साफ हो जाती है।

2." और जब घर जाओ तो कह देना कि मुझे जो उसने कहा था वह मैंने कर दिया।" 2015. 2016

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति चन्द्रधर शर्मा गुलेरी रचित" उसने कहा था " कहानी से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से कहानीकार का कहना है कि लहना सिंह एक वीर सिपाही था, उसने सूबेदारनी के कहने पर युद्ध में बोधा सिंह की जान बचाई और खुद शहीद हो गए, वह सूबेदार से बोला घर जाओ सूबेदारनी से कहना उसने जो कहा था वो मैने कर दिया।

3. बिना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही।

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति चन्द्रधर शर्मा गुलेरी रचित उसने कहा था * कहानी से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से कहानीकार का कहना है कि जिस प्रकार घोड़े को रोजाना दौड़ का अभ्यास नहीं कराया जाये तो घोड़ा बिगड़ जाता है। ठीक उसी प्रकार यदि सैनिक को युद्ध का अभ्यास न कराया जाय तो वह युद्ध करना भूल जाता है।

लघु उत्तरीय प्रश्नः -

1. 'उसने कहा था' कहानी कितने भागों में बेटी हुई है? कहानी के कितने भागों में युद्ध का वर्णन है?

उत्तर- उसने कहा था' कहानी पाँच भागों में बेटी हुई है कहानी के तीन भागों में युद्ध का वर्णन है।दूसरा तीसरा और चौथे भाग में युद्ध का वर्णन हैं।

2. 'उसने कहा था' कहानी के पात्रों का नाम लिखे।

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

उत्तर- 'उसने कहा था' कहानी के प्रमुख पात्र लहना सिंह, हजारा सिंह, बोधा सिंह, सूबेदारनी, कीरत सिंह, वजीरा सिंह, जर्मन लपटन, विदेशी आदि है।

3. लहनी सिंह के प्रेम के बारे में लिखिए।

उत्तर- लहना सिंह को सूबेदारनी से बचपन में ही सच्चा प्रेम हो गया था। यह प्रेम बहुत पवित्र और निस्वार्थ था। सूबेदारनी के कहने पर ही उसने युद्ध में बोधा सिंह की जान बचाई और खुद अपनी जान दे दी। इससे पता चलता है कि लहना सिंह का प्रेम त्याग और सच्ची भावना पर आधारित था।

4. "जाड़ा क्या है, मौत है और निमोनिया से मरनेवालों को मुरब्बे नहीं मिला करते! " बजीरा सिंह के इस कथन का क्या आशय है?

उत्तर- जाड़ा का अर्थ है भीषण ठंड। बजीरा लहना सिंह से कहता है, कहीं तुम्हें ठंड न लग जाए। युद्ध में कहीं मौत न हो जाय। निमोनिया बुखार होने का डर है। निमोनिया से मरने वाले को कड़वी दवा दी जाती है। मुरब्बे नहीं।

5. लहनासिंह के चरित्र की विशेषताओं का वर्णन या लहनासिंह का परिचय अपने शब्दों में दें।

उत्तर- 'उसने कहा था' कहानी का नायक लहनासिंह है। जो अपने मामा के साथ अमृतसर में रहता था। वह एक वीर सिपाही था। जो निडरता के लिए जाना जाता था। यह सूबेदारनी से निःस्वार्थ प्रेम करता था, उसी के कहने पर युद्ध में बोधा सिंह की जान बचाता है और स्वये शहीद हो जाता है।

6. लपटन साहब साहब की जेब से क्या बरामद हुआ था?

उत्तर- लपटन साहब की जेब से बेल के बराबर आकार का तीन गोल बरामद हुआ।

7. लहना के गाँव में आया तुर्की मौलवी क्या कहता था?

उत्तर- तुर्की मौलवी कहता था कि जर्मनी वाले बड़े पंडित हैं वेद पढ़कर विमान चलाने की विद्या को जाने गये हैं। गौ हत्या भी नहीं करते है।

8. "कल, देखते नहीं यह रेशम से कढ़ा हुआ सालू" । यह सुनते हीं लहना की क्या प्रतिक्रिया हुई ?

उत्तर- यह बात सुनते ही लहना सिंह की बहुत बड़ा झटका लगा। वह घबरा गया और गुस्से में उसने किसी को नाली में धक्का दे दिया, छावड़ीवाले को गिरा दिया, कुते को पत्थर से मारा और एक वैष्णवी महिला से टकरा गया वह उसे "अंधा" कह दी।

वस्तुनिष्ट प्रश्नः -

1. 'उसने कहा था' किस प्रकार की कहानी है? [2015. 2016]

(A) धर्म-प्रधान (B) चरित्र-प्रधान
(C) भाव-प्रधान **(D) कर्म-प्रधान**

2. एक अकालिया सिख कितने के बराबर होता है? [2023]

(A) दो लाख **(B) सवा लाख**
(C) एक लाख (D) तीन लाख

3. कौन-सी कहानी चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की नहीं है? [2019]

(A) उसने कहा था **(B) तिरिछ**
(C) बुद्ध का कौटा (D) सुखमय जीवन

4. 'उसने कहा था' शीर्षक कहानी में किस शहर का चित्रण है? [2020, 2023)

(A) जयपुर (B) लखनऊ
(C) अमृतसर (D) चंडीगढ़

5. जर्मन पलटन को किसने मार गिराया? [2020]

(A) वजीरा सिंह **(B) लहना सिंह**
(C) बोधा सिंह (D) सूबेदार

6. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानियाँ है? [2023]

(A) तीन (B) दस (C) पचास (D) सौ

7. 'विना फेरे घोड़ा बिगड़ता है और बिना लड़े सिपाही' यह पंक्ति किस कहानी में है? [2021]

(A) रोज (B) ओ सदानीरा
(C) एक लेख और एक पत्र **(D) उसने कहा था**

8. 'उसने कहा था शीर्षक कहानी के लेखक हैं [2013 ,2017, 2022]

(A) जयप्रकाश नारायण
(B) रामधारी सिंह दिनकर
(C) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
(D) नामवर सिंह

9. 'उसने कहा था' शीर्षक कहानी किस वर्ष लिखी गयी?

(A)1920 ई० **(B) 1915**
(C) 1921 ई० (D) 1914 ई०

10. लहना सिंह किस देश की ओर से युद्ध कर रहा था? [2023]

(A) इंगलैण्ड (B) फ्रांस
(C) रूस (D) अमेरिका

11. 'उसने कहा था' कहानी में लहना सिंह कहाँ का रहनेवाला था? [2022]

(A) कलानौर (B)मगरे का
(C) रंजीत बाग का। **(D)माँझे का**

12. पलटन का विदूषक कौन था? [2023]

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

(A) लहना सिंह **(B) वजीरा सिंह**
(C) उधम सिंह (D)बार्क सिंह

13. बोधा सिंह के पिता का नाम क्या था? [2023]
(A) वजीरा सिंह (B) लहनासिंह
(C) हजारासिंह (D) कीरतसिंह

14. 'कुड़माई' का क्या अर्थ होता है? [2023]
(A) विवाह **(B) मंगनी**
(C) तिलक (D) गौना

15. 'तेरी कुड़माई हो गई' का किस कहानी से सम्बन्ध है? [2021]
(A) रोज **(B) उसने कहा था**
(C) तिरिछ (D) जूठन

16. हिन्दी कहानी के विकास में 'मील का पत्थर' कौन-सी कहानी मानी जाती है? [2021]
(A) उसने कहा था (B) पंच परमेश्वर
(C) पुरस्कार (D) मंगर

17. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी की कहानी है- (2011, 2021]
(A) जूठन (B) रोज
(C) तिरिछ **(D) उसने कहा था**

18. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी किसके अभिभावक बनकर मेयो कॉलेज, अजमेर में आए? [2022]
(A) राजा भोज के (B) राजा हरि सिंह के
(C) खेतड़ी के नाबालिग राजा जयसिंह के
(D) राजा देवगुप्त के

19. 'उसने कहा था' शीर्षक कहानी में यह किसने कहा कि 'उदमी: उठ सिगड़ी में कोले डाल।
(A) वजीरा सिंह **(B) सुबेदार हजारा सिंह**
(C) सुबेदारनी (D) बोधा सिंह

20. 'सूबेदारनी' किस कहानी की पात्रा है? [2023]
(A)तिरिछ **(B) उसने का था'**
(C)रोज (D) सदानीरा

21. 'उसने कहा था' कहानी है- [2020]
(A) युद्ध की कहानी
(B) दिव्य प्रेम की कहानी
(C) प्रेम पर बलिदान होने की कहानी
(D) इनमें से सभी

22. निम्न में से कौन-सी रचना गुलेरी जी की नहीं है? [2020]
(A) सुखमय जीवन (B) बुद्ध का कौटा
(C) उसने कहा था **(D)हारे को हरिनाम**

23.उसने कहा था कहानी के नायक हैं- [2019]
(A) लहना सिंह (B) बोधा सिंह
(C) वजीरा सिंह (D) हजारा सिंह

24 . 'लहना' किस कहानी का पात्र है? [2013]
(A) 'उसने कहा था' (B) रोज
(C)जूठन (D) शिक्षा

25. 'वजीरासिंह' किस कहानी का पात्र है? [2023]
(A) उसने कहा था (B) रोज
(C) तिरिछ (D) अर्धनारीश्वर

26. "निमोनिया से मरने वालों को मुरब्बे नहीं मिला करते।"-यह उक्ति किस शीर्षक पाठ से है? [2023]
(A) उसने कहा था (B) शिक्षा
(C) रोज (D) तिरिछ

27. "देखते नहीं यह रेशम से कड़ा हुआ साल्" यह पंक्ति किस शीर्षक कहानी की है? [2024]
(A) जूठन (B) तिरिछ
(C) उसने कहा था (D) रोज

28. 'उसने कहा था' शीर्षक कहानी में पोल्हूराम कौन था?
(A) चौकीदार **(B) डाक बाबू**
(C) किसान (D) सिपाही

29. 'उसने कहा था' कहानी में किस युद्ध का उल्लेख है?
(A) प्रथम विश्व युद्ध (B) द्वितीय विश्व युद्ध
(C) कारगिल युद्ध (D) हल्दीघाटी युद्ध

30. सूबेदार हजारा सिंह के लड़के का नाम क्या था ?
(A) बोधासिंह (B) मानसिंह
(C) कीरतसिंह (D) गजाधर सिंह

31. भारतीय सिपाहियों का किसके साथ संघर्ष हुआ?
(A) फ्रांसीसियों के साथ (B) तुर्की के साथ
(C) अंग्रेजों के साथ (D) जर्मनी के साथ

32. "सुबेदार बोला 'लहना, सूबेदारनी तुमको जानती है। बुलाती है। जा मिल आ।" यह कथन किस शीर्षक पाठ से
(A) तिरिछ (B) जूठन
(C) रोज **(D) उसने कहा था**

33. सिख राइफल्स के जमादार लहना सिंह का नम्बर क्या था?
(A) 77 (B) 105
(C) 1805 (D) 72

34. सरकार ने सूबेदार को जमीन कहाँ दी है ?
(A) संजलपुर (B) अलावपुर
(C) जलालपुर **(D) लायलपुर**

35. लहनासिंह का सिर किसकी गोद में था?
(A) बोधासिंह **(B) वजीरासिंह**

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.